गुर्जर - प्रतिहार वंश

गुर्जर प्रतिहार वंश।

- प्रतिहार ⇒ अर्थ ⇒ द्वारपाल
- सर्वप्रथम जानकारी ⇒ एहोल स्तंभलेख
  - स्थित है ⇒ दिल्ली
  - लेखक ⇒ रविकीर्ति
- राजधानी क्रमशः ⇒ मण्डौर (जोध०) → मेड़ता (डीडवाना) → भीनमाल (जालौर)
- इस वंश ने भारत की रक्षा की ⇒ 600 - 1200 ई तक ⇒ 600 वर्षों तक भारत की रक्षा की।

गुर्जर प्रतिहार वंश

- संस्थापक ⇒ हरीश्चन्द्र
  - स्थापना स्थान ⇒ मण्डौर के आस-पास
  - राजधानी बनाई ⇒ मण्डौर (जोध०)
  - उपाधि ⇒ रोहिलाद्धि
  - पुत्र ↓
- राजजिल
  - मण्डौर शाखा का वास्तविक संस्थापक था।
  - पुत्र ⇒ कक्कुक
    - इसने मण्डौर मे विजयस्तम्भ बनाया
    - मण्डौर शासक बना।
  - पोता ⇒ नागभट्ट I
    - इसने प्रतिहारो की भीनमाल शाखा

भीनमाल शाखा

- संस्थापक ⇒ **नागभट I**
  - उपनाम ⇒ नागावलोक
    - ⇒ राम का प्रतिहार
    - ⇒ इन्द्र के दंभ का नाशक
    - ⇒ मलेच्छ नाशक
  - राजधानी ⇒ **भीनमाल** (जालौर)
  - पुत्र ⇒ **वत्सराज**

वत्सराज

- उपनाम ⇒ 1m **रणहस्तिन** ⇒ अर्थ ⇒ शत्रुओं का नाशक
- दरबारी विद्वान
  - ⇒ उद्योतन सूरी ⟶ कुवलयमाला
  - ⇒ जिनसेन ⟶ हरिवंशपुराण

नागभट II

- जीता था ⇒ **कन्नौज (U.P)**
- उपाधि धारण की
  - ⇒ परमभट्टारक
  - ⇒ महाराजाधिराज
- उपनाम ⇒ प्रतिहार वंश का दानवीर कर्ण

मिहिरभोज

- पिता ⇒ रामभद्र ⇒ मिहिरभोज अपने पिता रामभद्र की हत्या करके राजा बना था।
- उपनाम
  - ⇒ राज० का पहला पितृहन्ता
  - ⇒ प्रभासपट्टन
  - ⇒ जुर्ज
- लिखवाया लेख ⇒ ग्वालियर प्रशस्ति (M.P)

महेन्द्रपाल

- उपनाम ⇒ निर्भयनरेश + निर्भयनरेन्द्र
- दरबारी विद्वान ⇒ राजशेखर
  - → रागमाला
  - → काव्यमीमांसा

माहिपाल

- उपनाम ⇒ रघुकुलचूडामनि

राजस्थान का व्यक्तित्व

सागरमल गोपा

- जन्म ⇒ जैसलमेर ⇒ उस समय शासक था ⇒ जवाहर सिंह
- पुस्तक लिखी
  - ⇒ जैसलमेर का गुण्डाराज
  - ⇒ आजादी के दीवाने
  - ⇒ रघुनाथ सिंह का मुकदमा
- इसे जैसलमेर जेल में जेलर गुमान सिंह ने जिंदा जला दिया (1946)
- जांच आयोग ⇒ गोपालस्वरूप पाठक आयोग
  - रिपोर्ट दी ⇒ सागरमल ने आत्महत्या की।

बालमुकुन्द बिस्सा

- जन्म ⇒ जोधपुर
- इसने जोधपुर राजा व सरकार के खिलाफ आंदोलन किया।
- गिरफ्तार किया ⇒ जोधपुर जेल में।
- इसकी जोधपुर जेल में भूख हड़ताल से मृत्यु हुई।
- उपनाम ⇒ राज० का जतीनदास

केसरीसिंह बारहठ

- जन्म ⇒ शाहपुरा
- छोटा भाई ⇒ जोरावरसिंह बारहठ → उपनाम → राज० का चन्द्रशेखर आजाद / अमरदास वैरागी
- पुत्र ⇒ प्रतापसिंह बारहठ
- पुस्तक लिखी ⊢ रूठी रानी
  ⊢ प्रतापचरित्र
- घटना क्रम ⇒ 1930 में अंग्रेजो द्वारा आयोजित दिल्ली दरबार में मेवाड राणा फतहसिंह भाग लेने जा रहे थे। जिन्हें रास्ते में केसरीसिंह ने 13 सोरठे में लिखा पत्र भेजा।
- चेतावणी रा चंगूट्या जिसे पढकर फतहसिंह रास्ते से वापस मेवाड लौट गया।

प्रतापसिंह बारहठ

- इसे अंग्रेजो ने कैद किया ⇒ बरेली जेल U.P
- जेलर था ⇒ क्वीसलैण्ड ⇒ इसने कहा था ⇒ "मैंने आज तक प्रताप जैसा युवक नही देखा"
- फांसी दी ⇒ बरेली में
- इसने कहा था ⇒ मेरी माँ रोती है। तो रोने दो मैं अपनी को हसाने के लिए भारत की हजारो माँ ओ को नही रुला सकता।

note ⇒ राज० का एकमात्र परिवार बारहठ परिवार। जिसने पुरा परिवार क्रांतिकारी बनां।

विजयसिंह पथिक

- → गुठावली गाँव (बुलंदशहर U.P)
- m → वास्तविक नाम ⇒ भूपसिंह
- → कर्मस्थली ⇒ राजस्थान
- m → मृत्यु ⇒ अजमेर
- → पुस्तक लिखी ⇒ What are the indian State
- m → समाचार पत्र चलाए
  - ⇒ राजस्थान केसरी
  - ⇒ नवीन राज०
  - ⇒ तरूण राज०
  - ⇒ ऊपरमाल का डंका
- → राज० में किसान आंदोलन का जनक कहा गया था